में बन रहे केवल सड़क पुल को रेल तथा सड़क पुल बनाने के लिए भारत सरकार ने बिहार सरकार को सुझाव दिया था तथा उस पुल के निर्माण पर होने वाले खर्च का अधिकांश भाग वहन करने का भी आश्वासन दिया था जिसे तत्कालीन बिहार सरकार ने अस्वीकार कर दिया था ;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार का विचार एक बार पुनः बिहार सरकार से उसके सुझाव पर पुनर्विचार करने को कहने का है ; और

(ग) बिहार सरकार ने उक्त सुझाव को किन परिस्थितियों में अस्वीकार किया था तथा उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) से (ग). जब पटना में गंगा पर एक दूसरे रेलवे पुल के लिए सुझाव प्राप्त हुआ, तब तक बिहार सरकार एक सड़क पुल का निर्माण प्रारम्भ कर चुकी थी, इसलिए इसको सड़क एवं रेल का मिला-जुला पुल बनाने की कोई सम्भावना नहीं थी ।

पटना में गंगा नदी पर रेल पुल

369. श्री मृत्युंजय प्रसाद वर्मा : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर तथा दक्षिण बिहार के बीच नई रेल लाइन कड़ी जोड़ने के लिए पटना नगर में या उसके पश्चिम में गंगा नदी पर रेल पुल बनाने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) क्या नदी के दोनों किनारों, उसके दोनों ओर रेलवे स्टेशनों, सम्भावित रेल लाइनों और अन्य पहलुओं के बारे में सर्वेक्षण किया गया है ;

(ग) यदि हां, तो योजना को क्रियान्वित करने में अब तक कितनी प्रगति हुई है ; और

(घ) क्या इस नये रेल पुल के नीचे, ऊपर या साथ में सड़क यातायात की व्यवस्था के लिये भी कोई योजना है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) से (घ). कानपुर-इलाहाबाद-मोकामा-मुंगेर के मार्ग में पड़ने वाले गंगा नदी के रेल पुल के निर्माण के लिए इंजीनियरी-एवं-यातायात सर्वेक्षण कर लिया गया है । जिन स्थानों की विस्तृत जांच-पड़ताल की गई है, उनमें से एक पटना के निकट है और पुल के दोनों ओर पहुंच मार्गों का भी सर्वेक्षण किया गया है । सर्वेक्षण रिपोर्ट का तकनीकी पहलुओं से अध्ययन किया जा रहा है ।

(घ) जी नहीं ।

श्री संजय गांधी के गोरखपुर यात्रा के लिये विशेष रेल गाड़ियां

370. श्री हरिकेश बहादुर : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जनवरी, 1977 में श्री संजय गांधी की गोरखपुर यात्रा के समय पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबन्धक ने गोरखपुर से खलीलाबाद और पड़रौना तथा अन्य स्टेशनों के लिए विशेष यात्री रेलगाड़ी चलाई थी ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) इन विशेष रेल गाड़ियों के चलाने से रेलवे को क्या लाभ हुआ ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) और (ख). यात्री यातायात बहुत था और वर्तमान गाड़ियों में पहले से ही काफी भीड़ थी इसलिए गोरखपुर से पदरौना तमकुई रोड और वापिसी के लिए 8 जनवरी,

1977 को एक विशेष गाड़ी चलायी गयी थी। गोरखपुर से खलीलाबाद के लिए कोई विशेष गाड़ी नहीं चलाई गयी थी।

(ग) अतिरिक्त आय लगभग 1240 रुपए की थी।

रेलवे द्वारा गोरखपुर में संजय गांधी के स्वागत पर किया गया खर्च

371. **श्री हरिकेश बहादुर** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गोरखपुर स्थित रेलवे स्टेडियम में श्री संजय गांधी के स्वागत के लिए एक सभा आयोजित की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के नाम क्या हैं और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(ग) उक्त सभा के लिए रेलवे द्वारा रेलवे स्टेडियम में की गई तैयारी पर कितनी धनराशि खर्च की गई ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) श्री संजय गांधी के स्वागत के लिए पूर्वोत्तर रेलवे ने किसी समारोह का आयोजन नही किया था। लेकिन, जब श्री संजय गांधी गोरखपुर आये थे, तब उत्तर प्रदेश के मुख्य मन्त्री तथा उनके साथ आये राज्य के अन्य मन्त्रियों के लिए जिला गोरखपुर के मजिस्ट्रेट के अनुरोध पर 2-1-1977 को रेलवे स्टेडियम उपलब्ध कराया गया था।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) रेलवे ने कोई खर्च नही किया। बिजली के खर्च या फीडर पावर पाइंट लगाने के लिए मजदूरों पर किए गए खर्च का 207.92 रुपये का बिल भुगतान के लिए 15-2-77 को उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड गोरखपुर के कार्यकारी अभियन्ता (वितरण) को भेज दिया गया था।

गुजरात में नैरो गेज को मीटर गेज में और मीटर गेज को ब्राड गेज लाइन में बदलना

372. **श्री धर्म सिंह भाई पटेल** : क्या रेल मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात राज्य में नैरो गेज लाइन को मीटर गेज लाइन में और मीटर गेज लाइन को ब्राड गेज लाइन में बदलने के बारे में कितने अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं ; और

(ख) सरकार ने इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु दंडवते) : (क) गुजरात राज्य की ओर से निम्नलिखित रेलवे लाइनों के आमान परिवर्तन के सम्बन्ध में अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं :—

(i) दिल्ली-अहमदाबाद मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(ii) वीरमगाम से ओखा और पोरबन्दर तक मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(iii) गांधीधाम से भुज तक मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलना ;

(iv) नडियाद कपड़वंज छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(v) छोटी उदैपुर-प्रतापनगर और छुछापुरा-तनखाला छोटी लाइन को बड़ी लाइन में बदलना।

(ख) वीरमगाम से पोरबन्दर और ओखा तक आमान परिवर्तन का काम पहले ही हो रहा है। दिल्ली अहमदाबाद मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का काम 1977-78 के बजट में शामिल कर लिया गया है। नडियाद से कपड़वंच, गांधीधाम से भुज, छुछापुरा से टनखाला और छोटा उदैपुर से प्रतापनगर तक की